Total No. of Questions – 10] [Total Pages : 2

(2062)

9925

Advanced Diploma in Bhoti Language Examination

BHOTI SAHITYA

Paper–I

(Semester–I)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **आठ** प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. प्रज्ञापारमिताहृदयसूत्र में "एवं मया श्रुतम्" शब्द का अभिप्राय एवं पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालें। (10)

2. प्रज्ञापारमिताहृदयसूत्र की विषयवस्तु पर एक नोट लिखिए। (10)

3. प्रज्ञापारमिताहृदयसूत्र के मन्त्र को स्पष्ट लिखकर उसके अभिप्राय की व्याख्या कीजिए। (10)

4. सैंतीस बोधिपाक्षिकधर्म नामक ग्रन्थ का रचनाकार कौन है? ग्रन्थ की रचना का उद्देश्य स्पष्ट लिखिए। (10)

5. करूणा की परिभाषा लिखकर करूणामूलक बोधिचित्त के उत्पाद, विधि एवं उत्पाद करने की अनुशंसा पर प्रकाश डालिए। (10)

6. निम्नलिखित श्लोक के अर्थ की व्याख्या करें। (10)

སྲིད་གསུམ་བདེ་བ་རྩ་རྩེའི་ཟིལ་པ་བཞིན།།ཡུད་ཙམ་ཞིག་གིས་འཇིག་པའི་ཆོས་ཅན་ཡིན།།

ནམ་ཡང་མི་འགྱུར་ཐར་པའི་གོ་འཕང་མཆོག།དོན་དུ་གཉེར་བ་རྒྱལ་སྲས་ལག་ལེན་ཡིན།།

7. बोधि एवं बोधिचित्त में अन्तर तथा प्रणिधि बोधिचित्त एवं प्रस्थान बोधिचित्त में क्या अन्तर है पाठ्य पुस्तक के अनुसार लिखिए। (10)

8. 'बोधिपथप्रदीप' नामक ग्रन्थ के प्रणयन का उद्देश्य स्पष्ट करें। (10)

9. 'बोधिपथप्रदीप' नामक ग्रन्थ में उल्लिखित उत्तम पुरुष की परिभाषा की व्याख्या कीजिए। (10)

10. धम्मपद नामक ग्रन्थ के प्रथम वग्ग का विषयवस्तु पर एक निबन्ध प्रस्तुत करें। (10)